CHETANA
International Journal of Education

Impact Factor
SJIF 2021 - 6.169

Peer Reviewed/
Refereed Journal

ISSN-Print-2231-3613
Online-2455-8729

Prof. A.P. Sharma
Founder Editor, CIJE
(25.12.1932 - 09.01.2019)

Received on 25th Jan. 2022, Revised on 28th Feb. 2022, Accepted 25th Mar. 2022

शोध–आलेख

राजकीय विद्यालयों में संचालित स्माइल प्रोजेक्ट के प्रति अभिधारकों का अभिमत

* डॉ. हरीश मेनारिया, *सहायक आचार्य*
डॉ. हरीशचन्द्र चौबीसा, *सहायक आचार्य*
शिक्षा विभाग, लो.मा.ति. शि.प्र. महाविद्यालय,डबोक
जनार्दन राय नागर, राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उदयपुर
Email- khushmenaria@gmail.com, Mob.-9413752518

मुख्य शब्द– *ऑनलाईन पठन–पाठन, वीडियो सामग्री आदि।*

शोध सारांश

राजस्थान में लॉकडाउन के दौरान राज्य के विद्यार्थियों और शिक्षकों को ऑनलाईन पठन–पाठन से जोड़े जाने के लिए प्रोजेक्ट सोशल मीडिया इंटरफेस फॉर लर्निंग एगेंजमेंट (स्माइल) की शुरूआत की गयी है। इसके तहत राज्य के विद्यार्थियों और शिक्षकों के व्हाट्सअप ग्रुप बनाकर उन्हें पढ़ने–पढ़ाने की तैयार सामग्री भेजी जाने की पहल की गयी है। राजस्थान ऐसा पहला राज्य है जहाँ कोविड–19 के दौरान विद्यार्थियों को घर बैठे सोशल मीडिया के जरिए पढ़ाई करवाने की अनूठी पहल की गयी है। प्रोजेक्ट स्माइल के तहत विद्यार्थियों व शिक्षकों के लिए सीखने–सीखाने की निरन्तरता सुनिश्चित करने के लिए अभिभावकों और शिक्षकों के साथ पीईईओ द्वारा राज्य में 20 हजार से भी अधिक व्हाट्सएप ग्रुप्स बनाए गए हैं।

प्रस्तावना

लॉकडाऊन के दौरान विद्यार्थियों को पढ़ाई में व्यवधान नहीं हो इस दृष्टि से पहल की गयी है। इसके तहत व्हाट्सएप के माध्यम से छात्रों व शिक्षकों के लिए दैनिक वीडियो सामग्री प्रतिदिन सुबह 9:00 बजे भेजी जाती है।

शिक्षा विभाग राजस्थान के कक्षा 1 से 12 के लिए वीडियो सामग्री की भी विशेष व्यवस्था की है। शिक्षा विभाग द्वारा प्रत्येक विषय के लिए 30 से 40 मीनिट की सामग्री के विषय वस्तु से सम्बन्धित वीडियो तैयार किए गए हैं। ये वीडियो ग्रेड– 1 से 2, 3 से 5, 6 से 8 एवं 9 से 12वीं कक्षा स्तर के तैयार किए गए हैं। इस सामग्री की समीक्षा ''राजस्थान स्टेट काउन्सिल ऑफ एज्यूकेशन रिसर्च एण्ड ट्रनिंग, उदयपुर के **विषय विशेषज्ञों द्वारा की गयी है।**

वास्तव में देखा जाए तो कोविड–19 के दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों को अध्ययन–अध्यापन की कड़ी में निरन्तरता लाने तथा बालकों के भविष्य के सुनहरा बनाने तथा घर बैठे सोश्यल मीडिया से शिक्षा प्रदान करने का राजस्थान सरकार का सशक्त संकल्प है। शोधकर्ता के मन में प्रश्न उभर कर सामने आया कि क्या स्माइल प्रोजेक्ट के तहत, अधिगम में सरलता व गुणवत्ता आई है ? इसके फील में क्रियान्वयन से कौन–कौनसी समस्याएँ आ रही है ? विद्यार्थियों में पढ़ने के प्रति रुचि जाग्रत हुई है ? क्या इसका प्रबंधन समय सीमा के अनुरूप हो रहा है ? क्या पाठ्यक्रम को आनन्ददरयी तरीके से पूर्ण करवाया जा रहा है ?आदि प्रश्नों के उत्तर जानने के लिए शोधकर्त्ता ने ''राजस्थान सरकार द्वारा राजकीय विद्यालयों में संचालित स्माइल प्रोजेक्ट'' पर कार्य करने का निर्णय किया है। जिससे आने वाले समय इसको प्रभावी तरीके से क्रियान्वित कर ''बच्चों में अधिगम के प्रति रुचि जागृत कर सके।

शोध समस्या

प्रस्तुत शोध कार्य का शोध विषय निम्न है –

राजकीय विद्यालयों में संचालित (स्माईल प्रोजेक्ट ैउपसमद्ध के प्रति अभिधारकों का अभिमत

शोध उद्देश्य

प्रस्तुत शोध कार्य के शोध उद्देश्य निम्न हैं –

1. राजकीय विद्यालयों में संचालित स्माइल प्रोजेक्ट के प्रति शिक्षकों के अभिमत को ज्ञात करना।
2. राजकीय विद्यालयों में संचालित स्माइल प्रोजेक्ट के प्रति संस्थाप्रधानों के अभिमत को ज्ञात करना।
3. राजकीय विद्यालयों में संचालित स्माइल प्रोजेक्ट के प्रति अभिभावकों का अभिमत ज्ञात करना।
4. राजकीय विद्यालयों में संचालित ''स्माइल प्रोजेक्ट'' के प्रति विद्यार्थियों का अभिमत ज्ञात करना।
5. राजकीय विद्यालयों में ''संचालित स्माइल'' प्रोजेक्ट में आने वाली संभावित समस्याओं को ज्ञात करना।
6. राजकीय विद्यालयों में संचालित ''स्माइल प्रोजेक्ट'' के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सुझाव प्रस्तुत करना।

पारिभाषिक शब्दावली – प्रस्तुत शोध कार्य में पारिभाषिक शब्दावली निम्न हैं–

1. **राजकीय विद्यालय –** प्रस्तुत शोध कार्य में राजकीय विद्यालयों से तात्पर्य है, जो राज्य सरकार द्वारा मान्यता व नियमानुसार कक्षा 1 से 12 तक संचालित है। उन्हें यहाँ राजकीय विद्यालयों की संज्ञा दी गयी है।
2. **स्माइल प्रोजेक्ट –** ''प्रस्तुत शोध कार्य में स्माइल प्रोजेक्ट'' का तात्पर्य उस कार्यक्रम से है, जो कोविड–19 को ध्यान में रखते हुए, राजस्थान प्रदेश के सभी राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत एवं अध्यापन कराने वाले कक्षा 1 से 12वीं के विद्यार्थियों व शिक्षकों को व्हाट्सग्रुप बनाकर ऑनलाइन शिक्षा की व्यवस्था की गई है। अर्थात् सोश्यल मीडिया के संयोजन से विद्यार्थियों में अधिगम सक्रियता को बनाए रखना है इसी तहत राजस्थान स्कूल शिक्षा विभाग ने इस नवाचारी कार्यक्रम को आरम्भ कर विद्यार्थियों के ऑनलाइन अध्ययन का कार्यारम्भ किया है। जिसकी विषय सामग्री की समीक्षा ैप्त्ज् करता है।
3. **अभिधारक –** प्रस्तुत शोध कार्य ''राजकीय विद्यालयों में संचालित ''स्माइल प्रोजेक्ट'' के प्रति अभिधारकों का अभिमत।'' क्योंकि प्रस्तुत स्माइल प्रोजेक्ट की क्रियान्विति में पूरे प्रदेश में शिक्षकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षा अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। अतः उक्त शोध कार्य में शिक्षकों, अभिभावकों, विद्यार्थियों एवं शिक्षाधिकारियों को अभिधारक मानकर उनके अभिमतों का विश्लेषण किया जाएगा।

अभिमत

उक्त शोध कार्य में अभिमत का तात्पर्य है कि वर्तमान में ''राजकीय विद्यालयों में संचालित ''स्माइल प्रोजेक्ट'' के क्रियान्विति एवं इसके प्रभाव के संदर्भ में, शिक्षक, संस्थाप्रधान, अभिभावक एवं विद्यार्थिगण क्या विचार रखते है।? इस विषय पर उनका क्या अभिमत हैं ? अभिमत सहमत एवं असहमत दोनों ही हो सकता है।

परिसीमन

प्रस्तुत शोध कार्य उदयपुर शहर एवं गिर्वा तहसील आस–पास के ग्रामीण गाँवों तक ही सीमित रखा गया है।

न्यादर्श

इस शोध कार्य में न्यादर्श का चयन उदयपुर शहर तथा गिर्वा तहसील के आस–पास के ग्रामीण गाँवों के राजकीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों एवं अभिभावकों, संस्थाप्रधानों, विद्यार्थियों का यादृच्छिक चयन विधि के आधार पर न्यादर्श के रूप में चयन किया गया है।

न्यादर्श के रुप में उदयपुर शहर के गिर्वा तहसील के आस–पास के गांवों के शिक्षकों, संस्थाप्रधानों, अभिभावकों तथा विद्यार्थियों को लिया गया है।

शोध विधि

प्रस्तुत शोध कार्य में सर्वेक्षण विधि का चयन किया गया है क्योंकि राजकीय विद्यालयों में संचालित ''स्माइल प्रोजेक्ट'' के क्रियान्विति एवं इसके प्रभाव के संदर्भ में, अभिधारकों जिसमें शिक्षक, संस्थाप्रधान, अभिभावकगण एवं विद्यार्थियों के अभिमत का अध्ययन करना शोध कार्य का मुख्य उद्देश्य है। अतः यह अध्ययन केवल सर्वेक्षण विधि के माध्यम से ही किया जाना संभव हैं।

उपकरण

प्रस्तुत शोध कार्य में राजकीय विद्यालयों में संचालित ''स्माइल प्रोजेक्ट'' के प्रति अभिधारकों का अभिमत जानने के लिए स्वनिर्मित उपकरण के रुप में अभिमतावली (प्रश्नावली) का उपयोग किया गया है।

सांख्यिकी तकनीकी

प्रस्तुत शोध से प्राप्त दत्तों का विश्लेषण प्रतिशत (%) सांख्यिकीय तकनीक के आधार पर किया गया है।

दत्त विश्लेषण

प्रस्तुत शोध कार्य में राजकीय विद्यालयों में संचालित ''स्माइल प्रोजेक्ट'' के प्रति अभिधारकों का अभिमत जानने के लिए स्वनिर्मित अभिमतावली (प्रश्नावली) का निर्माण किया गया। इस अभिमतावली के अन्तर्गत निम्नलिखित पाँच क्षेत्रों पर आधार मानकर प्रश्नावली का निर्माण विषय विशेषज्ञों की राय के अनुसार किया गया, जो निम्न हैं –

1. शिक्षक छात्र अन्तःक्रिया से सम्बन्धित अभिमत।
2. शैक्षिक तकनीकी प्रभाव एवं समस्याओं के प्रति अभिमत
3. समय प्रबन्धन के प्रति अभिमत।
4. पाठ्यक्रम पूर्णता के संदर्भ में अभिमत।
5. स्माइल प्रोजेक्ट की प्रभावशीलता सम्बन्धित अभिमत।

उक्त क्षेत्रों के आधार पर स्वनिर्मित प्रश्नावली का निर्माण किया गया तथा प्रश्नावली के माध्यम से प्राप्त प्रक्तों का विश्लेषण निम्नानुसार किया गया।

1. कुल प्राप्तांकों के आधार पर विश्लेषण।
2. क्षेत्रवार प्राप्तांकों के आधार पर विश्लेषण।
3. कथनवार प्राप्तांकों के आधार पर विश्लेषण।

सारणी संख्या–1 कुल प्राप्तांकों के आधार पर विश्लेषण –

राजकीय विद्यालयों से सम्बन्धित स्माइल प्रोजेक्ट की सम्पूर्ण गुणवत्ता के संदर्भ में अभिधारकों से प्राप्त कुल अभिमतों के आधार पर विश्लेषण।

अभिधारक	कुल न्यादर्श	अभिधारकों का कुल अभिमत	अभिधारकों के अभिमतों का कुल प्रतिशत	परिणाम		
				सामान्य	अच्छा	बहुत अच्छा
राजकीय विद्यालयों में संचालित स्माइल प्रोजेक्ट की सम्पूर्ण गुणवत्ता के संदर्भ में प्राप्त कुल अभिमत	शिक्षक	75	49	65.33%	65.33%	
	संस्थाप्रधान	25	16	64.00%	64.00%	
	अभिभावक	50	32	62.00%	62.00%	
	विद्यार्थीगण	50	29	58.00%	सामान्य	सामान्य

विश्लेषण – उपर्युक्त तालिका के आधार पर कहा जा सकता है कि राजकीय विद्यालयों में संचालित स्माइल प्रोजेक्ट की सम्पूर्ण गुणवत्ता के संदर्भ में शिक्षक ने 65-33%, संस्थाप्रधानों ने 64%, तथा अभिभावकों ने 62% के साथ स्माइल प्रोजेक्ट को अच्छा बताया जबकि विद्यार्थियों ने ने 68% पर अपनी सहमति बताकर गुणवत्ता की दृष्टि से प्रोजेक्ट को सामान्य मानते हैं।

क्षेत्र	अभिधारक	कुल न्यादर्श	अभिधारकों का कुल अभिमत	अभिधारकों के अभिमतों का कुल प्रतिशत	शैक्षिक तकनीकी समस्याओं के प्रति सहमति
शैक्षिक तकनीकी से सम्बन्धित सभाचाओं के प्रति प्राप्त अभिमत	शिक्षक	75	60	80%	सहमत
	संस्थाप्रधान	25	19	76%	सहमत
	अभिभावक	50	43	86%	सहमत
	विद्यार्थीगण	50	49	88%	सहमत

उपरोक्त सारणी में एवं ''स्माइल प्रोजेक्ट में आने वाली शैक्षिक तकनीकी समस्याओं के प्रति प्राप्त प्रदत्तों के आधार पर कहा जा सकता है कि शिक्षकों ने 80%, संस्थाप्रधानों 76%, अभिभावकों 86%, तथा विद्यार्थियों 88%, अभिमतों के साथ स्वीकार किया कि ऑनलाईन शिक्षण में नेटवर्क की समस्या रहती है, जिससे शिक्षण अभिमत कार्य प्रभावित होता है।

क्षेत्र	अभिधारक	कुल न्यादर्श	अभिधारकों का कुल अभिमत	अभिधारकों के अभिमतों का कुल प्रतिशत	शैक्षिक तकनीकी समस्याओं के प्रति सहमति
समय प्रबन्धन (शिक्षण की समय सारणी, लिंक उपलब्धता, कालांश अवधि, अन्तराल तथा कालांश निर्धारित समय पर प्रारम्भ एवं समाप्ति के संबंध में प्राप्त अभिमत	शिक्षक	75	61	81-33%	सहमत
	संस्थाप्रधान	25	18	72%	सहमत
	अभिभावक	50	41	82%	सहमत
	विद्यार्थीगण	50	43	86%	सहमत

उपरोक्त सारणी जिसमें ''स्माइल प्रोजेक्ट में समय प्रबन्ध के प्रति प्राप्त प्रदत्तों के आधार पर कहा जा सकता है कि शिक्षकों ने 81. 33%, संस्थाप्रधानों 72%, अभिभावकों 82%, तथा विद्यार्थियों ने 86% इस संदर्भ में अपना अभिमत व्यक्त किया है कि शिक्षण की समय सारणी के अनुसार ऑनलाईन कक्षाओं में लिंक की उपलब्धता, कालांश अवधि, अन्तराल, तथा निर्धारित समय पर प्रारम्भ एवं समाप्त होती है।

क्षेत्र	अभिधारक	कुल न्यादर्श	अभिधारकों का कुल अभिमत	अभिधारकों के अभिमतों का कुल प्रतिशत	शैक्षिक तकनीकी समस्याओं के प्रति सहमति
पाठ्यक्रम पूर्णता	शिक्षक	75	51	68%	सहमत
	संस्थाप्रधान	25	16	64%	सहमत
	अभिभावक	50	33	66%	सहमत
	विद्यार्थीगण	50	30	60%	सहमत

उपरोक्त सारणी जिसमें ''राजकीय विद्यालयों में संचालित स्माइल प्रोजेक्ट के प्रति अभिधारकों का अभिमत'' के क्षेत्र, पाठ्यक्रम की पूर्णता के संदर्भ में प्राप्त प्रदत्तों के विश्लेषण के आधार पर कहा जा सकता है कि शिक्षकों ने 68%, संस्थाप्रधानों 64%, अभिभावकों 66%, तथा विद्यार्थियों ने 60% इस समय पर पाठ्यक्रम पूर्ण होना बताया, जबकि शेष ने ऑनलाईन के माध्यम से पाठ्यक्रमपूर्ण होने में समस्या महसूस की गई है।

क्षेत्र	अभिधारक	कुल न्यादर्श	अभिधारकों का कुल अभिमत	अभिधारकों के अभिमतों का कुल प्रतिशत
शिक्षण विधि एवं प्रभावशीलता	विद्यार्थीगण	50	30	68%
	अभिभावक	50	28	56%

उपरोक्त सारणी जिसमें ''राजकीय विद्यालयों में संचालित स्माइल प्रोजेक्ट के प्रति अभिधारकों का अभिमत'' के क्षेत्र, शिक्षण–विधि एवं प्रभावशीलता'' के संदर्भ में प्राप्त प्रदत्तों के विश्लेषण के आधार पर कहा जा सकता है कि 60% विद्यार्थियों नेए तथा 50%, अभिभावकों ने अध्यापकों द्वारा कराए जाने वाले विषयवस्तु हेतु विधि व प्रभावशीलता को उपयुक्त है। जबकि 40%, विद्यार्थियों तथा 50%, अभिभावकों ने अध्यापन की शिक्षण विधि व प्रभावशीलता को सामान्य बताया।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची –

1. अग्रवाल, रामनारायण, ''मनोविज्ञान एवं शिक्षा के मापन एवं मूल्यांकन'', विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 1970.
2. एनास्वासी, ''ए साइकोलॉजी टेस्टिंग'', कैमिलन कम्पनी न्यायर्क, 1957 एन साईक्लोपीडिया ऑफ एज्यूकेशन रिसर्च।
3. अरोड़ा, रीता, मारवाह सुरेश, ''शिक्षा मनोविज्ञान एवं सांख्यिकी'', शिक्षा प्रकाशन, जयपुर 2005.
4. ओसवाल, भार्गव, ''सांख्यिकीय विधियाँ'', रमेश बुक डिपो, जयपुर 1996.
5. बेस्ट जॉन डब्ल्यू, ''रिसर्च एन एज्यूकेशन'', प्रीटिंग हॉल प्रा. लि., नई दिल्ली।
6. भार्गव, डॉ. सुनीता एवं उपाध्याय डॉ. विनोद कुमार, ''अधिगम का मनोसामाजिक आधार एवं शिक्षण'', अरिहन्त प्रकाशन जयपुर 2004.
7. बोगार्डस, ''शैक्षिक अनुसंधान विधि शास्त्र'', राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी।
8. दुबे, सत्यमिश्र, शर्मा दिनेश, ''समाजशास्त्र एक परिचय'', राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान परिषद पब्लिशर्स।
9. गुप्ता एस.सी., ''आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन'', शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद, 2006.
10. जे.एम.रमल, ''एन इन्ट्रोडेक्शन टू रिसर्च प्रोसीजन इन एज्यूकेशन'', अर्पर न्यूयार्क, 1958.
11. कपिल, भार्गव डॉ. एच.के., ''अनुसंधान विधियाँ, शिक्षा एवं मनोविज्ञान'', बुक हाऊस, आगरा, 1996.
12. मिश्रा, गार्गीशरण मराल, ''शिक्षा की समस्याएँ और समाधान'', विकास प्रकाशन, कानपुर 2003
13. राबर्ट एम.डब्ल्यू, टैवर्स, ''एन इन्ट्रोडेक्शन टू एज्यूकेशन रिसर्च'', न्यूयार्क मैकमिलन कम्पनी 1964.
14. रजा मुमिस, राय सुजाता, ''शिक्षा और विकास के सामाजिक आधार'', ग्रन्थ शिल्पी, नई दिल्ली 1962
15. सिंह डॉ. कृष्ण वीर, ''शोध, समीक्षा और मूल्यांकन'', वॉल्यूम–2 फरवरी, 2010

*** Corresponding Author**

डॉ. हरीश मेनारिया, *सहायक आचार्य*

डॉ. हरीशचन्द्र चौबीसा, *सहायक आचार्य*

शिक्षा विभाग, लो.मा.ति. शि.प्र. महाविद्यालय,डबोक

जनार्दन राय नागर, राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उदयपुर

Email- khushmenaria@gmail.com, Mob.-9413752518